>

Title: Need to address the problems of Kendriya Vidyalaya teachers.

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, पूरे देश में केंद्रीय विद्यालय संगठन के 1078 विद्यालय हैं, जिनमें करीब 50 हजार शिक्षक कार्यरत हैं। 16 मार्च को जंतर-मंतर पर इनका धरना प्रदर्शन हुआ था। इनकी मांग थी कि केंद्र एवं राज्य सरकार के शिक्षक समान वेतनमान पाते हैं। राज्य शिक्षक अपने राज्य में सेवा करते हैं और केंद्र के शिक्षक सम्पूर्ण देश में स्थानांतरित हो कर सेवा करते हैं।

26 जुलाई 2008 को तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री स्व. श्री अर्जुन सिंह जी की अध्यक्षता में बनी एक समिति में एक उच्च वेतनमान की संस्तुति की गई जिसे आज तक लागू नहीं किया गया। दूसरे, भारत सरकार के सभी विभागों में सेवाकाल के दौरान तीन प्रमोशन ए.सी.पी. 10 वर्ष में, 20 वर्ष में और एक 30 वर्ष में लागू हो गया और यह केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारियों पर लागू है लेकिन शिक्षकों को इससे वंचित रखा गया है। यह शिक्षकों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है।

दूसरी मांग है कि 19 जनवरी 2012 को इसी वर्ष केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सर्वोच्च नियामक संस्था बी-ज़ीरो जी की बैठक में शिक्षकों के हितों के विरुद्ध निर्णय लिया गया। विद्यालय का कार्यकाल पहले 6 घंटे 10 मिनट से बढ़ाकर 7 घंटा 30 मिनट किया गया और जिसे 1 अप्रैल 2012 से लागू किया गया है। इसको समाप्त किया जाए। जहां विद्यार्थियों को 6 घंटा 10 मिनट पढ़ाया जाता था, वहीं अब शिक्षकों को 7 घंटा 30 मिनट पढ़ाना है। आप देखिए, आपाधापी की इस जिंदगी में शिक्षकों के ऊपर भी इतना बड़ा बोझ है और विद्यार्थियों के ऊपर भी बोझ है। इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार और मानव संसाधन विकास मंत्री से निवेदन करना चाहूंगा कि तत्काल इनकी मांगों पर गौर किया जाए और तत्काल उस पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इन्हीं बातों के साथ मैं चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी को निर्देश दें, कुछ जवाब दे दें तो मेरे ख्याल से बहुत अच्छा होगा। यह बहुत गंभीर मामला है। 50,000 शिक्षकों का मामला है।

सभापति महोदय : मैं आपको निर्देश देता हूं कि आप बैठे रहिएगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : सर, हम तो बैठ जाएंगे। मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।...(व्यवधान) 50,000 शिक्षकों का मामला है। सर, वह कुछ कहना चाहते हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी बातें सुन ली हैं।

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF DEVELOPMENT OF NORTH EASTERN REGION AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI PABAN SINGH GHATOWAR): Definitely, I will inform the concerned Minister about the concern of the hon. Member.

सभापति महोदय :

श्री वीरेन्द्र कश्यप जी को श्री शैलेन्द्र कुमार जी द्वारा उठाये गये विषय के साथ सम्बद्ध किया जाए।

श्रीमती दर्शना जरदोश (सूरत): सभापति महोदय, आपके यहां बैठने से मुझे हौसला हुआ है कि मैं अपनी बात अच्छी तरह से रख सकूंगी।

सभापति महोदय : बिल्कुल। एक दम रख सकती हैं।